



चचेरी बहन के साथ सेक्स

“मैं पहली बार अपना एक्सपेरियंस शेयर करने जा रहा हूँ। ये बिल्कुल ही सच्ची कहानी है मेरी चचेरी बहन गांव से अपनी पढ़ाई के लिए हम लोगो के पास शहर मे आई थी। उस समय वो इंटर मे दाखिले के लिये आई थी और मैं ग्रेजुएशन मे था। हम लोग शुरू से शहर में रहते [...] ...”

Story By: अज्ञात (_agyat)

Posted: Thursday, October 30th, 2003

Categories: [भाई बहन](#)

Online version: [चचेरी बहन के साथ सेक्स](#)

चचेरी बहन के साथ सेक्स

मैं पहली बार अपना एक्सपेरियंस शेयर करने जा रहा हूँ। ये बिल्कुल ही सच्ची कहानी है मेरी चचेरी बहन गांव से अपनी पढ़ाई के लिए हम लोगो के पास शहर मे आई थी। उस समय वो

इंटर मे दाखिले के लिये आई थी और मैं ग्रेजुएशन मे था। हम लोग शुरू से शहर में रहते थे। मेरे पिताजी सरकारी नौकरी मे थे। मैं घर मे सबसे छोटा हूँ। मेरी बहन मुझसे छोटी थी करीब 5 साल की

थी। शुरू मे तो ऐसा कोई ख्याल नही आया, मगर धीरे धीरे मन सेक्स की तरफ होने लगा। हम लोगो का कमरा छोटा था और हमलोग सब एक ही बेड पर सोते थे। मैं अक्सर अपनी बहन के बगल मे

सोया करता था। रात मे सोते समय मेरे हाथ उसके पेट को छूते थे। मुझे तो आकर्षण महसूस होता था मगर उसके बारे मे मुझे कुछ पता नही चल पाता था।

एक दिन मैंने उसके स्तन को छुआ तो उसने थोड़ा विरोध किया मैंने तुरत अपना हाथ हटा लिया। फिर मैंने एक बार कोशिश की लेकिन फिर से हटा दिया मगर कुछ बोला नही मुझे भी डर

लग रहा था क्योंकि मेरी मा और मेरी अपनी दोनो बहन भी बगल मे सोई हुई थी।

दूसरे दिन मैंने फिर से कोशिश की इस बार मैंने उसके स्तन को तोड़ा ज़ोर से प्रेस किया इस बार उसकी थोड़ी सहमति थी मैंने धीरे धीरे काफ़ी देर तक प्रेस किया शायद उसे भी आनंद आ रहा था।

ये कार्यक्रम काफ़ी दिनों तक चला। एक दिन उसने मुझसे पूछा की आप ऐसा क्यों करते हैं तो मैंने बोला की क्यों तुम्हें पसंद नहीं है तो उसने कहा नहीं ऐसी कोई बात नहीं मगर किसी को पता चलेगा तो क्या होगा।

तब मैंने कहा किसी को पता नहीं चलेगा। तुम साथ दो तो कुछ नहीं होगा। फिर उसने हामी भरी। अब हम लोग घर में किसी के नहीं रहने का इंतज़ार करने लगे और ये मौक़ा भी हमें जल्द ही मिल गया और मैंने कहा की अब मैं कुछ और टेस्ट करना चाहता हूँ।

तो उसने पूछा क्या तो मैंने कहा, मैं तुम्हारा स्तन देखना चाहता हूँ उसने पहले तो मना किया फिर थोड़ी देर में हामी भर दी तो मुझे ग्रीन सिग्नल मिल गया और फिर मैंने धीरे से से उसके सलवार को उपर किया और उसके ब्रा को उपर किया तो देखा की दो गोल गोल स्तन मेरे सामने थे जो की मैंने पहले कभी नहीं देखा था और फिर मैंने अपने दोनों हाथों से उसको दबाना शुरू कर दिया

शायद उसे भी अच्छा लग रहा था और वो ज्यादा ही उत्तेजित हो रही थी। फिर काफ़ी दिनों तक चलता रहा मगर असली प्यास अभी नहीं बुझी थी और मेरा मन उसको चोदने को करने लगा।

एक दिन मैंने कहा की ये सब काफ़ी हो गया क्यों ना ज़िंदगी की असली मज़ा लिया जाए तो उसने कहा – क्या ? तो मैंने कहा ज़िंदगी की सुख तो चुदाई में ही हैं जो कि हर आदमी और औरत की ज़रूरत है।

तब उसने कहा इसमें कोई रिस्क तो नहीं है ?

मैंने कहा- नहीं, सावधानी के साथ करेंगे। मगर पता नहीं उसे काफ़ी डर लग रहा था और हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। काफ़ी समझाने के बाद उसे विश्वास हो गया और उसने

हामी भर दी

और हमलोग एकांत का इंतज़ार करने लगे और एक दिन हमे मौक़ा मिल गया जब मेरी मां और बहन बाज़ार गये और हम दोनो घर मे अकेले थे तब मैंने कहा क्यों ना अपनी ज़िंदगी की प्यास भुझा ले ।

उसने दबी ज़ुबान मे हां कही और फिर मैंने धीरे धीरे उसके सलवार और पायजामा को खोला अब वो ब्रा और पेण्टी मे मेरे सामने थी उसका बदन तो मानो अप्सरा का बदन लग रहा था और शर्मा रही थी और अपने चेहरे को अपनी हाथों से ढके हुई थी

फिर मैंने धीरे से अपने कपड़े को उतारा और उसके स्तन को धीरे धीरे दबाना शुरू किया शायद उसे अच्छा लग रहा था अब मैंने उसके ब्रा को खोल दिया और मेरे सामने उसके संतरे जैसे दो चीज़ आ गई और मैंने अपने मुह से उसके स्तन को चूसना शुरू किया ये अहसास उसे अच्छा लग रहा था और वो ज़यादा उत्तेजित हो रही थी और मैं भी अब काफ़ी उत्तेजित होने लगा था ।

फिर मैंने उसके पेण्टी को उतार दिया अब मेरे सामने मानो जैसे दुनिया की सबसे बड़ी चीज़ नज़र आ रही थी क्योंकि अभी तक मैंने किसी भी लड़की को ऐसे नहीं देखा था । अब मैंने अपने लंड को उसके मुंह मे दे दिया ।

पहले तो उसने मना किया काफ़ी मनाने के बाद वो मान गई और मेरे लंड को चूसना शुरू कर दिया मैं तो मानो की सातवे आसमान मे सफ़र कर रहा था उस अहसास

का बयान मैं नहीं कर सकता की मैं कैसा महसूस कर रहा था । उसके चूसने से मेरा लंड काफ़ी टाईट हो गया और मैंने इसे उसके बुर मे धीरे धीरे डालना शुरू किया उसे काफ़ी तकलीफ़ महसूस हो रही

थी।

पहली बार किसी मर्द के लंड उसके बुर मे जो जा रहा था। मैंने उसकी तकलीफ़ को समझते हुए धीरे धीरे लंड को अंदर डाला अब तो उसे भी मज़ा आने लगा और थोड़ा ऊऊऊ आआआ ईईईई

के आवाज़ के साथ वो पूरा मज़ा लेना चाहती थी और मैं भी इस मौक़े को छोड़ना नहीं चाहता था और हमलोगो ने करीब 1 घंटे तक अपनी जवानी का मज़ा लिया लेकिन इसके बाद हम दोनों की चाहत

बढ़ती गई और हम लोग रात मे भी ये काम सबसे बचते हुए करने लगे और घर मे कोई ना हो तो फिर क्या कहना। इस तरह से हमलोगो ने करीब 7 साल तक अपनी जवानी का मज़ा लेते रहे। अब

उसकी शादी हो चुकी है मगर मैं अभी भी कुंवारा हूँ और उन दिनों के बारे मे सोचकर आज भी दिल रोमांचित हो जाता है।

0024

Other stories you may be interested in

टीचर की यौन वासना की तृप्ति-3

मेरी इस टीचर सेक्स स्टोरी में अब तक आपने पढ़ा था मेरे साथ मेरे स्कूल में टीचर नम्रता और मैंने दूसरे के साथ सेक्स का मजा लेना शुरू कर दिया था. हम दोनों ने चुदाई से पहले एक दूसरे का [...]

[Full Story >>>](#)

बस में मिली भाभी से उसके घर में सेक्स

मेरा नाम राज है. मैं असम राज्य में एक प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत हूँ. मैं पहली बार आज आपको एक सच्ची कहानी सुनाने आया हूँ. चूंकि यह मेरी पहली कहानी है तो हो सकता है कि यह कहानी लिखते समय [...]

[Full Story >>>](#)

चलती ट्रेन में छोटी बहन की सील तोड़ी

अन्तर्वासना के पाठकों को मेरा नमस्कार! मेरा नाम शैलेश (बदला हुआ) है. मेरी आयु 21 वर्ष है. मैं अपने परिवार के साथ दिल्ली के शालीमार बाग में रहता हूँ. हमारे परिवार में चार सदस्य हैं. मेरे पिता जी की उम्र [...]

[Full Story >>>](#)

मैंने अपनी मौसी की लड़की को चोदा

दोस्तो, मेरा नाम रणबीर है, उम्र 25 साल है. रंग सांवला है, कद 5.2 फिट है. मैं कुछ नाटा सा हूँ, पर दिखने में बहुत अच्छा हूँ. मेरी शरीर भी बहुत अच्छी है.. क्योंकि मैं सुबह एक्सरसाइज करता हूँ. यह [...]

[Full Story >>>](#)

ट्रेन में एक हसीना से मुलाकात-2

हसीना की कहानी के पहले भाग में अब तक आपने पढ़ा था ट्रेन में मुझे अदिति नाम की एक नवयौवना लड़की मिली, जिससे मेरी काफी गहरी दोस्ती हो गई थी. फिर अदिति की फ्रेंड ने मुझे उसको जल्दी से प्रपोज [...]

[Full Story >>>](#)

